दैनिक सामयिकी: १६.०६.२०२१

ILO, UNICEF रिपोर्ट: बाल श्रम बढ़कर 160 मिलियन हुआ - दो दशकों में पहली बार वृद्धि

चर्चा में क्यों?

- **अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) और UNICEF** की रिपोर्ट के अनुसार **'बाल श्रम: वैश्विक अनुमान 2020, रुझान और आगे की राह'**, दुनिया भर में बाल श्रम में बच्चों की संख्या बढ़कर 160 मिलियन हो गई है, जिसमें पिछले चार वर्षों में 8.4 मिलियन बच्चों की वृद्धि हुई है।

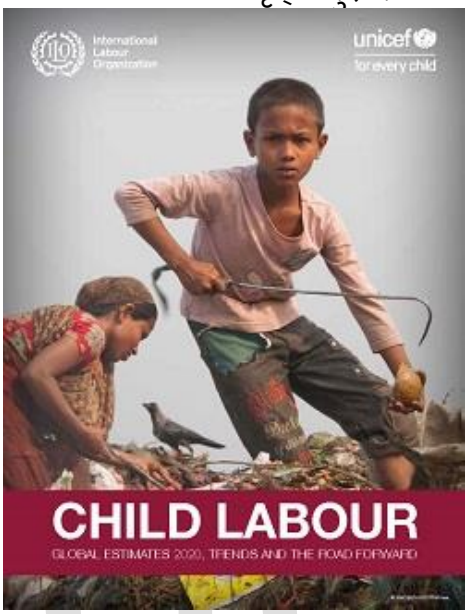

प्रमुख बिंदु

- **'बाल श्रम: वैश्विक अनुमान 2020, रुझान और आगे की राह'** रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि बाल श्रम को समाप्त करने की प्रगति 20 वर्षों में पहली बार रुकी हुई है, पिछली गिरावट की प्रवृत्ति को उलटते हुए, जिसमें 2000 और 2016 के बीच बाल श्रम में 94 मिलियन की गिरावट देखी गई थी।

रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष:

- रिपोर्ट बाल श्रम में 5 से 11 वर्ष की आयु के बच्चों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की ओर इशारा करती है, जो अब कुल वैश्विक आंकड़े का आधा हिस्सा है।
- खतरनाक काम में आयु वर्ग के 5 से 17 साल के बच्चों की संख्या 2016 के बाद से 6.5 मिलियन बढ़कर 79 मिलियन हो गयी है।
- रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि वैश्विक स्तर पर, नौ मिलियन अतिरिक्त बच्चों को महामारी के परिणामस्वरूप 2022 के अंत तक बाल श्रम में धकेलने का खतरा है।
- **कृषि क्षेत्र में 70 प्रतिशत बच्चे बाल श्रम (112 मिलियन) में हैं, इसके बाद सेवाओं में 20 प्रतिशत (31.4 मिलियन) और उद्योग में 10 प्रतिशत (16.5 मिलियन) हैं।**
- 5 से 11 वर्ष की आयु के लगभग 28 प्रतिशत बच्चे और 12 से 14 वर्ष की आयु के 35 प्रतिशत बच्चे बाल श्रम में स्कूल से बाहर हैं।
- ग्रामीण क्षेत्रों (14 प्रतिशत) में बाल श्रम की व्यापकता शहरी क्षेत्रों (5 प्रतिशत) की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

स्थिति में सुधार के उपाय:

- सार्वभौमिक बाल लाभ सहित सभी के लिए पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा।
- निःशुल्क और अच्छी गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा पर खर्च में वृद्धि और सभी बच्चों को स्कूल में वापस लाना - जिनमें वे बच्चे भी शामिल हैं जो COVID-19 से पहले स्कूल से बाहर थे।
- वयस्कों के लिए अच्छे काम को बढ़ावा देना, ताकि परिवारों को पारिवारिक आय उत्पन्न करने में मदद करने वाले बच्चों का सहारा न लेना पड़े।
- बाल श्रम को प्रभावित करने वाले हानिकारक लिंग मानदंडों और भेदभाव का अंत।
- बाल संरक्षण प्रणालियों, कृषि विकास, ग्रामीण सार्वजनिक सेवाओं, बुनियादी ढांचे और आजीविका में निवेश।

भारत सरकार की पहल:

- बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम 1986
- बाल श्रम राष्ट्रीय नीति (1987)
- किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009
- ऑपरेशन स्माइल, ऑपरेशन मुस्कान जैसी पहल

नोट: चाइल्डफंड, बचपन बचाओ आंदोलन, केयर इंडिया, कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन आदि जैसे कई गैर सरकारी संगठन देश में बाल श्रम को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं।

स्रोत: ilo.org

भारत 2020 और 2050 के बीच 311 लाख करोड़ रुपए मूल्य के लॉजिस्टिक ईंधन की बचत कर सकता है: NITI आयोग, RMI इंडिया रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- **NITI आयोग, रॉकी माउंटेन इंस्टीट्यूट (RMI) और RMI इंडिया की** नई रिपोर्ट, **'भारत में फास्ट ट्रैकिंग फ्रेट: स्वच्छ और लागत प्रभावी माल परिवहन के लिए एक रोडमैप'**, भारत के लिए अपनी लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है।

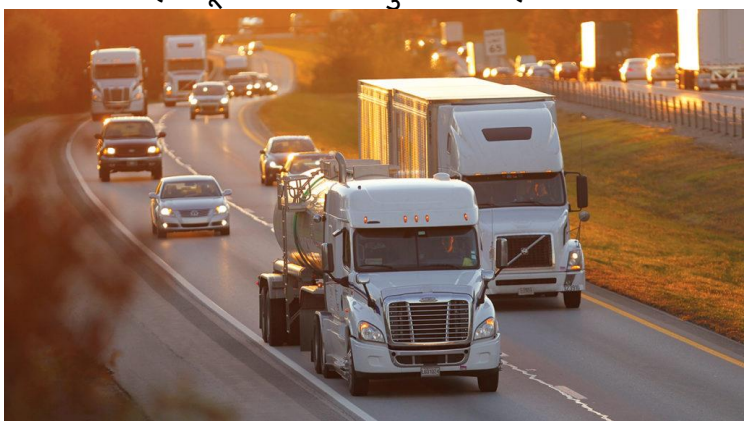

प्रमुख बिंदु

- वस्तुओं और सेवाओं की बढ़ती मांग के कारण, भविष्य में माल परिवहन की मांग तेजी से बढ़ने की उम्मीद है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- यद्यपि माल परिवहन आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है लेकिन यह ऊंची लॉजिस्टिक लागत से ग्रस्त है और CO_2 में वृद्धि तथा शहरों में वायु प्रदूषण में इसका योगदान रहता है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत में निम्नलिखित क्षमताएं हैः

- अपनी लॉजिस्टिक लागत में **सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** के **4 प्रतिशत** तक कमी लाने की क्षमता।
- 2020-2050 के बीच संचयी CO_2 के 10 गीगाटन बचाने की क्षमता।
- 2050 तक नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOx) और कण पदार्थ क्रमशः 35 प्रतिशत और 28 प्रतिशत तक घटाने की क्षमता।

माल परिवहन को लागत प्रभावी बनाने की आवश्यकता:

- माल परिवहन भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था की प्रमुख रीढ़ है और अब पहले से कहीं अधिक इस परिवहन प्रणाली को अधिक लागत सक्षम, कुशल और स्वच्छ बनाना महत्वपूर्ण है।
- कुशल माल परिवहन मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत तथा डिजिटल इंडिया जैसे सरकार के वर्तमान पहलों को हासिल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- भारत की माल परिवहन गतिविधि 2050 तक पांच गुनी हो जाएगी और लगभग 400 मिलियन नागरिक शहरों की ओर जाएंगे। ऐसे में संपूर्ण प्रणाली में परिवर्तन ही माल ढुलाई क्षेत्र को ऊपर उठा सकता है।
- इस परिवर्तन को कुशल रेल आधारित परिवहन, लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला के अधिकतम उपयोग तथा बिजली और अन्य स्वच्छ ईंधन वाहनों में बदलाव जैसे अवसरों का लाभ उठा कर परिभाषित किया जाएगा।

सिफारिशें:

- रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ाना
- वेयरहाउसिंग और ट्रक परिचालन व्यवहारों में सुधार
- इंटरमोडल परिवहन को बढ़ावा देना
- नीतिगत उपायों और स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए पायलट परियोजनाएं
- ईंधन अर्थव्यवस्था के कठोर मानक

हाल की पहल:

- डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर
- भारत चरण VI मानदंड
- FAME योजना
- कॉर्पोरेट औसत ईंधन दक्षता विनियम
- फास्टैग के साथ ई-वे बिल का एकीकरण

स्रोत: PIB

EIU ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स 2021

चर्चा में क्यों?

- **न्यूजीलैंड के ऑकलैंड** ने EIU ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स 2021 में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।

प्रमुख बिंदु

ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स बारे में:

- ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स लंदन स्थित **इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (EIU),** द्वारा प्रकाशित एक

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

वार्षिक मूल्यांकन है जो शहरी जीवन की गुणवत्ता के लिए 140 वैश्विक शहरों की रैंकिंग करता है।

- **इंडेक्स** 30 से अधिक गुणात्मक और मात्रात्मक पांच व्यापक श्रेणियों में फैले कारकों: स्थायित्व (25%), स्वास्थ्य सेवा (20%), संस्कृति और पर्यावरण (25%), शिक्षा (10%), और आधारभूत अवसंरचना (20%) के आधार पर तैयार किया जाता है।

2021 में 3 सबसे अधिक रहने योग्य शहर:

- ऑकलैंड, न्यूजीलैंड
- ओसाका, जापान
- एडिलेड, ऑस्ट्रेलिया

2021 में 3 सबसे कम रहने योग्य शहर:

- दमिश्क, सीरिया
- लागोस, नाइजीरिया
- पोर्ट मोरेस्बी, पापुआ न्यू गिनी

नोट: ऑस्ट्रिया का वियना, 2018 और 2019 दोनों में नंबर एक, COVID से अत्यधिक प्रभावित होने के बाद पूरी तरह से शीर्ष 10 से बाहर हो गया है, और अब 12 वें स्थान पर है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

IIT रोपड़ ने देश का पहला विद्युत मुक्त CPAP उपकरण 'जीवन वायु' विकसित किया

चर्चा में क्यों?

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ ने एक उपकरण 'जीवन वायु' विकसित किया है जिसे CPAP (कंटीन्यूअस पॉजिटिव एयरवे प्रेशर) मशीन के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- हालांकि, यह देश का पहला ऐसा उपकरण है जो बिना बिजली के भी काम करता है और अस्पतालों में ऑक्सीजन सिलेंडर व ऑक्सीजन पाइपलाइन जैसी दोनों प्रकार की ऑक्सीजन उत्पादन इकाइयों के लिए अनुकूलित है।
- ये प्रावधान अन्य मौजूदा CPAP मशीनों में उपलब्ध नहीं हैं।

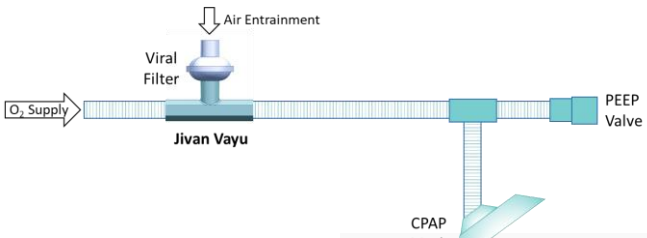

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

प्रमुख बिंदु

'जीवन वायु' के बारे में:

- इसमें एयर एंट्रेन्मेंट छोर पर एक इनबिल्ट वायरल फिल्टर है, जिसकी वायरल प्रभावशीलता 99.99 फीसदी है।
- वायरल फिल्टर यह सुनिश्चित करता है कि हवा, वातावरण से बीमारी पैदा करने वाले जीवाणु को नहीं लाती है।
- इस उपकरण को 3D प्रिंटिंग का उपयोग करके बनाया गया है और इसका यांत्रिक परीक्षण भी किया गया है।

'जीवन वायु' की आवश्यकता:

- वर्तमान COVID महामारी के दौरान यह मशीन समय की जरूरत थी जब वेंटिलेटर और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर जैसे चिकित्सा उपकरणों के सहारे लोगों के जीवन को बचाने के लिए विद्युत की आपूर्ति प्रमुख चिंता का विषय है।

स्रोत: PIB

अल सल्वाडोर बिटकॉइन को कानूनी निविदा के रूप में अपनाने वाला पहला देश बना

चर्चा में क्यों?

- अल सल्वाडोर बिटकॉइन को कानूनी निविदा के रूप में अपनाने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है।
- कानूनी निविदा के रूप में इसका उपयोग 90 दिनों में शुरू होगा, बाजार द्वारा निर्धारित बिटकॉइन-डॉलर विनिमय दर के साथ।

प्रमुख बिंदु

- बिटकॉइन का उपयोग व्यक्तियों के लिए वैकल्पिक होगा और इससे उपयोगकर्ताओं को कोई जोखिम नहीं होगा।
- बिटकॉइन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे सकता है, अल सल्वाडोर की कम बैंकिंग प्रवेश दर का मुकाबला करने में मदद कर सकता है और एक वर्ष में $ 6 बिलियन के प्रेषण के लिए तेजी से हस्तांतरण की सुविधा प्रदान कर सकता है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

बिटकॉइन के बारे में:

- यह एक केंद्रीय बैंक या एकल प्रशासक के बिना एक विकेन्द्रीकृत डिजिटल मुद्रा है जिसे बिचौलियों की आवश्यकता के बिना पीयर-टू-पीयर बिटकॉइन नेटवर्क पर उपयोगकर्ता से उपयोगकर्ता को भेजा जा सकता है।

अल सल्वाडोर के बारे में तथ्य:

- **राष्ट्रपति:** नायब बुकेले
- **राजधानी:** सैन सल्वाडोर
- **मुद्रा:** यूनाइटेड स्टेट्स डॉलर (USD)

स्रोत: द हिंदू

फ्रेंच ओपन 2021

- फ्रेंच ओपन 2021 आउटडोर क्ले कोर्ट पर खेला जाने वाला ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट है।
- यह 30 मई से 13 जून 2021 तक पेरिस, फ्रांस में स्टेड रोलैंड गैरोस में आयोजित किया गया था।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

विजेताओं की सूची:

पुरुष एकल	महिला एकल	पुरुष युगल	महिला युगल	मिश्रित युगल
विजेता- नोवाक जोकोविच (सर्बिया) **उपविजेता-** स्टेफानोस सितसिपास (ग्रीस)	**विजेता-** बारबोरा क्रेजसिकोवा (चेक गणराज्य) **उपविजेता-** अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा (रूस)	**विजेता-** पियरे-ह्यूग्स हर्बर्ट (फ्रांस), निकोलस माहुत (फ्रांस) **उपविजेता-** अलेक्जेंडर बुब्लिक (कजाखस्तान), एंड्री गोलूबेव (कजाखस्तान)	**विजेता-** बारबोरा क्रेजसिकोवा (चेक गणराज्य), कैटरीना सिनियाकोवा (चेक गणराज्य) **उपविजेता-** बेथानी माटेक-सैंड्स (अमेरिका), इगा स्वियातेक (पोलैंड)	**विजेता-** देसिरा क्राव्जिक (अमेरिका), जो सैलिसबरी (ब्रिटेन) **उपविजेता-** एलेना वेस्नीना (रूस), असलान करात्सेव (रूस)

- **नोट: नोवाक जोकोविच (सर्बिया)** ने अपना दूसरा फ्रेंच ओपन खिताब और 19वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

रामकृष्ण मठ और मिशन उपाध्यक्ष का निधन

- रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन के उपाध्यक्ष स्वामी शिवमयानंद का निधन हो गया।
- शिवमयानंद का जन्म 20 दिसंबर 1934 को बिहार में हुआ था।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- वह 1959 में बेलूर मठ में शामिल हुए, 1969 में स्वामी वीरेश्वरानंद महाराज से "संन्यास दीक्षा" प्राप्त की।

स्रोत: द हिंदू

gradeup

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now